



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 134]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 27, 1985/चैत्र 6, 1907

No. 134]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 27, 1985/CHAITRA 6, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1985

आयकर

सा. का. नि. 313(अ):— उपाबद्ध करार, जो भारत सरकार और ओमान सल्तनत की सरकार के बीच अन्तर्राष्ट्रीय वायु परिवहन से व्युत्पन्न आय के दोहरे कराधान से बचने के लिए हैं, उक्त करार के अनुच्छेद 5 की अपेक्षा-नुसार दोनों संबिदाकारी राज्यों द्वारा अपनी-अपनी विधियों द्वारा अपेक्षित प्रक्रियाओं के पूरा कर दिए जाने की बात एक दूसरे को अधिसूचित कर दी जाने पर, प्रवृत्त हो गया है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 90 और कंपनी (लाभ) अति-कर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा 24-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती

है कि उक्त करार के सभी उपबंध भारत संघ में प्रभावी किए जाएंगे।

भारत सरकार और ओमान सल्तनत की सरकार के बीच अन्तर्राष्ट्रीय वायु परिवहन से होने वाली आय पर दोहरे कराधान के परिहार के लिए करार।

भारत सरकार और ओमान सल्तनत की सरकार, अन्तर्राष्ट्रीय वायुयान परिवहन से होने वाली आय पर दोहरे कराधान के परिहार के लिए करार सम्पन्न करने की इच्छा से नीचे लिखी बातों पर सहमत हुई हैं :

अनुच्छेद 1

1. वर्तमान कर, जिन पर यह करार लागू होगा, इस प्रकार हैं :

(क) ओमान सल्तनत के मामले में :

आयकर डिक्री, 1971 के अंतर्गत लगाया जाने वाला

आयकर तथा कंपनी आयकर कानून, 1981 के अंतर्गत लगाया जाने वाला कंपनी आयकर

(जिनका, इसके बाद “ओमानी कर” के रूप में उल्लेख किया गया है);

(ख) भारत के मामले में:

(i) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन लगाया जाने वाला आयकर जिसमें आयकर पर लगने वाला कोई भी अधिभार शामिल है;

(ii) कंपनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) के अधीन लगाया जाने वाला अतिकर

(जिनका, इसके बाद “भारतीय कर” के रूप में उल्लेख किया गया है)।

2. यह करार, किन्हीं समरूप अथवा सारत : इसी तरह के उन करों पर भी लागू होगा, जो इस करार पर हस्ताक्षर किये जाने की तारीख के बाद, इस अनुच्छेद के पैराग्राफ 1 में उल्लिखित करों के अतिरिक्त अथवा उनके स्थान पर लगाए जाते हैं। संविदाकारी राज्यों के सक्षम प्राधिकारी, अपने-अपने कराधान कानूनों में किए गए किन्हीं बड़े परिवर्तनों के संबंध में एक दूसरे को सूचित करेंगे।

अनुच्छेद 2

परिभाषाएं

1. इस करार के प्रयोजनार्थ, जब तक अन्यथा अपेक्षित न हो:—

(क) “ओमान सल्तनत” शब्दों से ओमान का राज्य क्षेत्र अभिप्रेत है और उसमें राज्य क्षेत्रीय समुद्र तथा उसके ऊपर का हवाई क्षेत्र और राज्य क्षेत्रीय सागर-खण्ड, महाद्वीपीय जलमग्न तट, भूमि तथा अनन्य आर्थिक क्षेत्र से संबंधित डिक्ली 15/1981 में उल्लिखित ऐसा कोई अन्य समुद्री क्षेत्र शामिल है, जिस पर ओमान के प्रभुसत्ता-सम्पन्न अधिकार हैं और जिस सीमा तक उनमें इन अधिकारों का प्रयोग इस तरह से किया जा सकता है जिसे कि वह समुद्री क्षेत्र ओमान राज्य क्षेत्र का हिस्सा है;

(ख) “भारत” शब्द से भारत का राज्य-क्षेत्र अभिप्रेत है और उसमें राज्य क्षेत्रीय समुद्र तथा उसके ऊपर का हवाई क्षेत्र और राज्य क्षेत्रीय सागर-खण्ड, महाद्वीपीय जलमग्न तट भूमि, अनन्य आर्थिक और अन्य समुद्री क्षेत्र अधिनियम, 1976 (1976 का अधिनियम सं. 80) में उल्लिखित ऐसा कोई अन्य समुद्री क्षेत्र शामिल है जिसमें भारत के प्रभुसत्ता-सम्पन्न अधिकार हैं और

जिस सीमा तक उनमें इन अधिकारों का प्रयोग इस तरह से किया जा सकता है जैसे कि वह समुद्री क्षेत्र भारतीय राज्य क्षेत्र का एक हिस्सा है;

(ग) “एक संविदाकारी राज्य” और “दूसरे संविदाकारी राज्य” शब्दों से संदर्भ की अपेक्षा के अनुसार, ओमान सल्तनत अथवा भारत अभिप्रेत है;

(घ) “कर” शब्द से, संदर्भ की अपेक्षा के अनुसार, “ओमानी कर” अथवा “भारतीय कर” अभिप्रेत है;

(ङ) “भारत का उद्यम” शब्दों में, भारत सरकार द्वारा नामोदिदष्ट उद्यम शामिल हैं;

(च) “ओमान का उद्यम” शब्दों में, ओमान सल्तनत द्वारा नामोदिदष्ट उद्यम शामिल हैं;

(छ) “अन्तर्राष्ट्रीय यातायात” शब्द का अर्थ एक संविदाकारी राज्य के किसी उद्यम द्वारा संचालित वायुयान द्वारा किसी भी परिवहन से है। उस स्थिति को छोड़कर वायुयान केवल दूसरे संविदाकारी राज्य में स्थित स्थानों के बीच ही संचालित किया जाता है;

(ज) “वायुयान संचालन” शब्दों से यात्रियों, पशुओं, माल अथवा डाक को, वायुयान के मालिकों अथवा पट्टेदारों अथवा किराये पर लेने वालों द्वारा हवाई जहाज से लाने ले जाने का व्यापार अभिप्रेत है, जिसमें अन्य उद्यमों की ओर से ऐसे परिवहन के लिए टिकटों की बिक्री, वायुयान का अनुषंगिक पट्टा तथा ऐसे परिवहन से प्रत्यक्षतः संबंधित कोई भी अन्य कार्यकलाप, शामिल हैं।

2. पैराग्राफ 1 के उप-पैराग्राफ (ङ) (च) के अनुसार प्रत्येक सरकार द्वारा नामोदिदष्ट उद्यमों की सूची, जैसी कि इस करार के अनुबध्द में दी गई है, दोनों राज्यों के बीच पत्रों का आदान-प्रदान करके पारस्परिक सहमति द्वारा संशोधित की जा सकती है।

3. किसी एक संविदाकारी राज्य द्वारा इस करार के उपबध्दों के प्रवर्तन में किसी शब्द का, जो प्रयुक्त हुआ हो परन्तु यहां परिभाषित नहीं हो, संदर्भ की अन्यथा अपेक्षा नहीं होने पर, वही अर्थ होगा जो उस राज्य के उन करों से संबंधित कानूनों के अंतर्गत होता है जो इस करार के विषय है।

अनुच्छेद 3

दोनों कराधान का परिहार

1. ओमान के किसी उद्यम को, अन्तर्राष्ट्रीय यातायात में वायुयान के संचालन से प्राप्त होने वाली आय पर भारत में भारतीय कर से छूट प्रदान होगी।

2. भारत के किसी उद्यम को, अन्तर्राष्ट्रीय यातायात में वायुयान के संचालन से प्राप्त होने वाली आय पर ओमान में ओमानी कर से छूट प्राप्त होगी।

3. पैराग्राफ 1 और 2 के उपबंध किसी पूल, किसी संयुक्त व्यापार अथवा किसी अन्तर्राष्ट्रीय संचालन एजेंसी में भाग लेने से प्राप्त आय पर भी लागू होंगे।

4. पैराग्राफ 1 और 2 के प्रयोजन के लिए, अन्तर्राष्ट्रीय यातायात में वायुयान के संचालन से प्रत्यक्षतः संबंधित निधियों पर आज की वायुयान के संचालन से हुई आय के रूप में भाता जाएगा।

अनुच्छेद 4

अवशिष्ट उपबंध

दोनों संविदाकारी राज्यों में से किसी भी एक राज्य में लागू कानून, जहाँ इस करार में स्पष्टतः विपरीत प्रावधान बनाया जाता है, उसको छोड़कर, संबंधित संविदाकारी राज्य में आय के कर निर्धारण तथा कराधान को शासित करते रहेंगे।

अनुच्छेद 5

प्रवर्तन

1. प्रत्येक राज्य इस करार को लागू करने के लिए उसकी विधि द्वारा अपेक्षित कार्यविधि के पुरा किए जाने के बारे में दूसरे राज्य को अधिसूचित करेगा। यह करार अधिसूचनाओं के इस आदान-प्रदान की प्रक्रिया में बाध की अधिसूचना जारी होने के महीने से अगले महीने की पहली तारीख से लागू हो जाएगा।

2. इस करार के उपबंध, 1 जनवरी, 1971 को अथवा उसके बाद प्राप्त हुई आय के संबंध में प्रभावी होंगे।

3. 1 जनवरी, 1971 से पूर्व की अवधि के संबंध में कर निर्धारणों को पुनः खोलने के लिए कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

अनुच्छेद 6

समाप्त

यह करार अनिवार्यतः तत्काल तक प्रभावी रहेगा परन्तु संविदाकारी राज्यों में से कोई भी राज्य, किसी भी कैलेंडर वर्ष में जून के तीसवें दिन को अथवा उससे पूर्व, दूसरे संविदाकारी राज्य को समाप्ति का नोटिस दे सकेगा और ऐसी स्थिति में यह करार :

(क) ओमान सल्तनत में, जिन कैलेंडर वर्ष में नोटिस दिया गया हो, उसके परवर्ती दूसरे कैलेंडर वर्ष के जनवरी मास के प्रथम दिवस को अथवा उसके पश्चात् शुरू होने वाले किसी भी कर वर्ष के संबंध में;

(ख) भारत में, जिस कैलेंडर वर्ष में नोटिस दिया गया हो, उसके परवर्ती दूसरे कैलेंडर वर्ष के अप्रैल मास के प्रथम दिवस को अथवा उसके पश्चात् शुरू होने वाले किसी कर निर्धारण वर्ष के संबंध में, प्रभावी नहीं रहेगा।

जिसके साक्ष्य में, इसके लिए विधिवत् प्राधिकृत अद्यो हस्ताक्षरियों ने इस करार पर हस्ताक्षर किए हैं।

नई दिल्ली में आज एक हजार नौ सौ चौरासा के अक्षुब्ध मास के तैयार दिनों को अंग्रेजी, हिन्दी और अरबी भाषाओं में दो मूल प्रतियों में किया गया; जिसके सभी पाठ समानतः प्रामाणिक होंगे। इस करार की व्याख्या तथा इसे लागू करने के कारण होने वाले विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ ही प्रभावी होगा।

ह./-

(मी. के. तिकू)
भारत सरकार की ओर से

ह./-

(मि. अब्दुल्ला बिन सईद
बिन रशीद अल-बलुशी)
ओमान सल्तनत की सरकार
की ओर से

अनुबंध

नामोद्दिष्ट उद्यमों की सूची देखिए अनुच्छेद 2 पैराग्राफ 2

भारत सरकार द्वारा नामोद्दिष्ट उद्यम :

एयर इण्डिया

ओमान सल्तनत की सरकार द्वारा नामोद्दिष्ट उद्यम :

गल्फ एयर कम्पनी (गल्फ एयर के रूप में ज्ञात)

इंग. मोहम्मद रजाब अल-बां ओमार,

ओमान सल्तनत की सरकार के प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष

प्रिय महोदय,

भारत सरकार और ओमान सल्तनत की सरकार के बीच अन्तर्राष्ट्रीय वायुयान परिवहन से होने वाली आय पर दोनों कराधान के परिहार के लिए करार के संबंध में, जिस पर आज हस्ताक्षर किए जाने हैं, भारत सरकार की ओर से मुझे आपको यह सूचित करना है कि उक्त करार के अनुच्छेद 3 के उपबंध इस सहमति पर आधारित हैं कि बहरीन-ओमान, कतार तथा संयुक्त अरब अमीरात राज्यों में, जो गल्फ एयर के संयुक्त मालिक हैं, अन्तर्राष्ट्रीय वायुयान परिवहन से होने वाली आय के संबंध में भारत के उद्यम पर कर नहीं लगाया जाता है। लेकिन, बहरीन, कतार और संयुक्त अरब अमीरात अथवा उनमें से किसी एक राज्य द्वारा, अन्तर्राष्ट्रीय वायुयान परिवहन से होने वाली आय के संबंध में भारत में उद्यम पर किसी भी स्थिति में तथा किसी भी वर्ष कर लगाए जाने पर, ओमान के उद्यम को। तराष्ट्रीय यातायात में विमान परिचालन से होने वाली आय पर भारत में दी जाने वाली छूट को, ऐसा कर लगाने वाले राज्य

में भारत के उद्यम के राजस्व के हिस्से के उपयुक्त अनुपात में कम कर दिया जाएगा।

यदि आप उक्त करार के अनुच्छेद 3 के उपबंधों की उपर्युक्त सहमति की स्वीकारोक्ति कर लेते हैं तो मैं आपका आभारी होऊंगा और ऐसे मामले में इस टिप्पणी और उस पर आपके उत्तर को उक्त करार का हिस्सा समझा जाएगा।

महोदय, मैं आपको अपनी परम आदर भवना का आभवादन देता हूँ।

मस्कट, जगदीश चन्द
27 अक्टूबर, 1982 भारत सरकार के
प्रतिनिधि-मंडल के अध्यक्ष

श्री जगदीश चन्द,
भारत के प्रतिनिधि मंडल
के अध्यक्ष

प्रिय महोदय,

अन्तर्राष्ट्रीय वायुयान परिवहन से होने वाली आय पर दोहरे कराधान के परिहार के लिए भारत सरकार तथा ओमान सल्तनत की सरकार के बीच करार के संदर्भ में, जिस पर आज हस्ताक्षर किये गये हैं, आपने निम्नाखित से अवगत कराया है :—

“भारत सरकार और ओमान सल्तनत की सरकार के बीच अन्तर्राष्ट्रीय वायुयान परिवहन से होने वाली आय पर दोहरे कराधान के परिहार के लिए करार के संबंध में, जिस पर आज हस्ताक्षर किये जाने हैं, भारत सरकार की ओर से मुझे आपको यह सूचित करना है कि उक्त करार के अनुच्छेद 3 के उपबंध इस सहमति पर आधारित हैं कि बहरीन, ओमान, कतार तथा संयुक्त अरब अमीरात राज्यों में, जो गल्फ एयर के संयुक्त मालिक हैं, अन्तर्राष्ट्रीय वायुयान परिवहन से होने वाली आय के संबंध में भारत के उद्यम पर कर नहीं लगाया जाता है। लेकिन, बहरीन, कतार और संयुक्त अरब अमीरात अथवा उनमें से किसी एक राज्य द्वारा, अन्तर्राष्ट्रीय वायुयान परिवहन से होने वाली आय के संबंध में भारत के उद्यम पर किसी भी स्थिति में तथा किसी भी वर्ष में कर लगाए जाने पर, ओमान के उद्यम को अन्तर्राष्ट्रीय यातायात में विमान परिवालन से होने वाली आय पर भारत में दी जाने वाली छूट को, ऐसा कर लगाने वाले राज्य में भारत के उद्यम के राजस्व के हिस्से के उपयुक्त अनुपात में कम कर दिया जाएगा। यदि आप उक्त करार के अनुच्छेद 3 के उपबंधों को उपर्युक्त सहमति की स्वीकारोक्ति कर लेते हैं तो मैं आपका आभारी होऊंगा और ऐसे मामले में इस टिप्पणी और उस पर आपके उत्तर को उक्त करार का हिस्सा समझा जाएगा।”

मैं, ओमान सल्तनत की सरकार की ओर से आपकी टिप्पणी में निर्दिष्ट शर्तियों की पूर्ति करता हूँ।

महोदय, मैं आपको अपनी परम आदर भवना का आभवादन देता हूँ।

मस्कट, ईम, मोहम्मद रजाय अल-वाओ ओमर,
27 अक्टूबर, 1982 ओमान सल्तनत की सरकार के
प्रतिनिधि-मंडल के अध्यक्ष।

[फा. सं. 484/36/77-एफटी. डी]
सो. के. शिक्कू, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

New Delhi, the 27th March, 1985

NOTIFICATION

INCOME-TAX

G.S.R. 313(E).—Whereas the annexed Agreement between the Government of India and the Government of the Sultanate of Oman for the avoidance of double taxation of income derived from international air transport has come into force on the notification by both the Contracting States to each other of completion of the procedures required by their respective laws, as required by Article 5 of the said Agreement.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 90 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and Section 24A of the Companies (Profits) Sur-tax Act, 1964 (7 of 1964), the Central Government hereby directs that all the provisions of the said Agreement shall be given effect to in the Union of India.

Agreement between the Government of India and the Government of the Sultanate of Oman for the Avoidance of Double Taxation of Income Derived from International Air Transport

The Government of India and the Government of the Sultanate of Oman,

Desiring to conclude an Agreement for the avoidance of double taxation of income derived from international air transport

Have agreed as follows :

ARTICLE 1

Taxes Covered

1. The existing taxes to which this Agreement shall apply are :

(a) in the case of the Sultanate of Oman : the income tax imposed under the Income Tax Decree 1971 and the Company Income Tax imposed under the Company Income Tax Law 1981.

(hereinafter referred to as “Omani tax”)

(b) in the case of India :

(i) the income-tax including any surcharge thereon imposed, under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) ;

(ii) the surtax imposed under the Companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964).

(hereinafter referred to as "Indian tax").

2. This Agreement shall also apply to any identical or substantially similar taxes which are imposed after the date of signature of this Agreement in addition to, or in place of, the taxes referred to in paragraph 1 of this Article. The competent authorities of the Contracting States shall notify each other of any substantial changes which are made in their respective taxation laws.

ARTICLE 2

DEFINITIONS

1. For the purpose of this Agreement, unless the context otherwise requires :

(a) the term "Sultanate of Oman" means the territory of Oman including the territorial sea and air space above it as well as any other maritime zone referred to in Decree 15/1981 concerning the Territorial Waters, the Continental Shelf and the Exclusive Economic Zone in which Oman has sovereign rights and to the extent that those rights can be exercised therein as if such maritime zone is part of the territory of Oman;

(b) the term "India" means the territory of India and includes the territorial sea and airspace above it as well as any other maritime zone referred to in the Territorial Waters, Continental Shelf, Exclusive Economic Zone and other Maritime Zones Act, 1976 (Act No. 80 of 1976), in which India has sovereign rights and to the extent that these rights can be exercised therein as if such maritime zone is a part of the territory of India;

(c) the term "a Contracting State" and the "other Contracting State" means Sultanate of Oman or India, as the context requires;

(d) the term "tax" means "Omani tax" or "Indian tax" as the context requires;

(e) the term "enterprise of India" includes enterprises designated by the Government of India;

(f) the term "enterprise of Oman" includes enterprises designated by the Government of the Sultanate of Oman;

(g) the term "international traffic" means any transport by an aircraft operated by an enterprise of a Contracting State, except when the aircraft is operated solely between places in the other Contracting State;

(h) the expression "operation of aircraft" means business of carriage by air of passengers, livestock, goods or mail carried on by the owners or lessees or charterers of aircraft, including the sale of tickets for such transportation on behalf of other enterprises, the incidental lease of aircraft and any other activity directly connected with such transportation.

2. The list of enterprises designated by each Government in terms of sub-paragraphs (e) and (f) of paragraph 1, as given in the Annex to this Agreement, may be modified by mutual agreement through exchange of letters between both States.

3. In the application of the provisions of this Agreement by one of the Contracting State, any term used but not defined herein shall, unless the context otherwise requires, have the meaning which it has under the laws in force in that State relating to the taxes which are the subject of this Agreement.

ARTICLE 3

AVOIDANCE OF DOUBLE TAXATION

1. Income which an enterprise of Oman derives from the operation of aircraft in international traffic shall be exempted in India from Indian tax.

2. Income which an enterprise of India derives from the operation of aircraft in international traffic shall be exempted in Oman from Omani tax.

3. The provisions of paragraphs 1 and 2 shall also apply to income from the participation in a pool, a joint business or an international operating agency.

4. For the purpose of paragraphs 1 & 2, interest on funds directly connected with the operation of aircraft in international traffic shall be regarded as income from the operation of aircraft.

ARTICLE 4

RESIDUAL PROVISIONS

The laws in force in either of the Contracting States will continue to govern the assessment and taxation of income in the Contracting States except where express provision to the contrary is made in this Agreement.

ARTICLE 5

ENTRY INTO FORCE

1. Each State shall notify to the other the completion of the procedure required by its law for the bringing into force of this Agreement. The Agreement shall enter into force the first day of the second month following the month in which the latter of these notifications has been given.

2. The provisions of this Agreement shall have effect in respect of income derived on or after the 1st day of January, 1971.

3. No action would be taken to reopen assessments in respect of the period prior to the 1st day of January, 1971.

ARTICLE 6

TERMINATION

This Agreement shall continue in effect indefinitely but either Contracting State may, on or before the thirtieth day of June in any calendar year, give notice of termination to the other Contracting State and in such event this Agreement shall cease to be effective:

- (a) In the Sultanate of Oman, in respect of any tax year commencing on or after the 1st day of January of the second calendar year following the year in which the notice is given;
- (b) In India, in respect of any assessment year commencing on or after the 1st day of April of the second calendar year following the year in which the notice is given.

In witness whereof the undersigned, duly authorised thereto have signed this Agreement.

Done at New Delhi this Twentythird day of October one thousand nine hundred and eighty four in two originals in the Hindi Arabic and English languages, all texts being equally authentic. In case of dispute as to interpretation and application of this Agreement, the English text shall prevail.

Sd/- (C. K. TIKKU)

For the Government of India.

Sd/- (MR. ABDULLA BIN SAEED BIN RASHID AL-BALUSHI)
For the Government of the Sultanate of Oman.

ANNEX

LIST OF DESIGNATED ENTERPRISES VIDE ARTICLE 2 PARAGRAPH 2

Enterprises designated by the Government of India :

AIR-INDIA

Enterprises designated by the Government of the Sultanate of Oman :

GULF AIR COMPANY (KNOWN AS GULF AIR)

Eng. Mohamed Rajab Al-Ba'Omar,
Head of Delegation of the Government of the Sultanate of Oman.

Dear Sir,

The Agreement between the Government of India and the Government of the Sultanate of Oman for the avoidance of double taxation of income derived from international air transport being signed today, I have the honour on behalf of the Government of India to inform you that the provisions of Article 3 of the said Agreement are based on the understand-

ing that the enterprise of India is not taxed on its income derived from international air transport in the States of Bahrain, Oman, Qatar and United Arab Emirates who are the joint owners of Gulf Air. However, in the event of the States of Bahrain, Qatar and United Arab Emirates or any one of them charging to tax the enterprise of India for any year in respect of its income derived from international air transport, the exemption available in India to the enterprise of Oman on its income derived from the operation of aircraft in international traffic shall be reduced by a proportion appropriate to the share of the revenues of the enterprise of India in the State which imposes such tax.

I should be grateful if you confirm your agreement to the above understanding of the provisions of Article 3 of the said Agreement, and that in such case this note and your reply thereto shall be deemed to be part of the Agreement.

Please accept, Sir, the assurances of my highest consideration.

MUSCAT,

27th October, 1982.

JAGDISH CHAND

Head of Delegation of the Government of India.

Mr. Jagdish Chand,
Head of Delegation of the Government of India.

Dear Sir,

With reference to the Agreement, signed today, between the Government of India and the Government of the Sultanate of Oman for the avoidance of double taxation of income derived from the international air transport you have informed of the following :—

"The Agreement between the Government of India and the Government of the Sultanate of Oman for the avoidance of double taxation of income derived from international air transport being signed today, I have the honour on behalf of the Government of India to inform you that the provisions of Article 3 of the said Agreement are based on the understanding that the enterprise of India is not taxed on its income derived from international air transport in the States of Bahrain, Oman, Qatar and United Arab Emirates who are the joint owners of Gulf Air. However, in the event of the States of Bahrain, Qatar and United Arab Emirates or any one of them charging to tax the enterprise of India for any year in respect of its income derived from international air transport, the exemption available in India to the enterprise of Oman on its income derived from the operation of aircraft in international traffic shall be reduced by a proportion appropriate to the share of the

revenues of the enterprise of India in the State which imposes such tax.

I should be grateful if you confirm your agreement to the above understanding of the provisions of Article 3 of the said Agreement, and that in such case this note and your reply thereto shall be deemed to be part of the Agreement."

I have the honour to confirm on behalf of the Government of the Sultanate of Oman the understandings outlined in your note.

Please accept, Sir, the assurances of my highest consideration.

MUSCAT,
27th October, 1982.

ENG. MOHAMED RAJAB AL-BA'OMAR,
Head of Delegation of the
Government of the Sultanate of Oman.

[F. No. 484/36/77-FTD]

C. K. TIKKU, Jt. Secy.

